जिसके सिर ऊपर तू स्वामी सो दुःख कैसा पावे

जिसके सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुःख कैसा पावे ।

बोल ना जाने माया मदमाता,
मरना चित ना आवे,
जिसके सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुःख कैसा पावे ।

मेरे राम राये,तू संत का,संत तेरे,
तेरे सेवक को भय कुछ नाही,
जम नहीं आवे नेरे,
जिसके सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुःख कैसा पावे ।

जो तेरे रंग राते स्वामी,
तिनका जनम-मरण दुःख नासा,
तेरे बगस ना मेटे कोई,सतगुरु का दिलासा,
जिसके सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुःख कैसा पावे ।

नाम तेयायन सुख फल पायन,
आठ पहर अराधे,
तेरी शरण तेरे परवाह से,पांच दुष्ट लै सादे,
जिसके सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुःख कैसा पावे ।

ज्ञान ध्यान कुछ करम ना जाना,सार ना जाना तेरे,
सबसे बड्डा सतगुरु नानक,जिन कलराखी मेरी,
जिसके सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुःख कैसा पावे ।

स्वर : मोहम्मद रफ़ी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1373/title/jiske-sir-uper-tu-swami-so-dukh-kaisa-pawe-shabad-with-Hindi-lyrics

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |